

ग्रसाधार्य)

EXTRAORDINARY

भाग П—लण्ड 3—उपलज्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राप्तिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं• 192]

नई विल्ली, बृहस्पतिबार, जून 5, 1975/ज्येव्ठ 15, 1897

No. 192]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 5, 1975/JYAISTHA 15, 1897

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 5th June 1975

S.O. 251(E).—Whereas in the opinion of the Central Government it is necessary and expedient so to do for maintaining supplies and services essential to the life of the community;

And whereas any strike in the services in the State of Tamil Nadu connected with the supply of electrical energy to the public or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply (including the works connected with the supply of electrical energy to the public, or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply, connected with the Neyveli Lignite Corporation Limited, Neyveli, in the State of Tamil Nadu) would prejudicially affect the maintenance of supplies and services essential to the life of the community, it is necessary and expedient to prevent strikes in the said services;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 118 of the Defence of India Rules, 1971, the Central Government hereby prohibits any strike in connection with any industrial dispute in the said services for a period of six months with effect from 5th June, 1975.

[No. F. S-42025/5/75-DKIA] T. S. SANKARAN, Jt. Seey.

श्रम मंत्रालय

<u>प्रादेश</u>

नई दिल्ली, 5 जून, 1975

का ॰ भा ॰ 251(भ) .-- पतः केन्द्रीय सरकार की राय में समुदाय के जीवन के लिए श्रावण्यक प्रदाय और सेवाएं बनाए रखने के लिए ऐसा करना भ्रावण्यक प्रौर समीचीन है ;

भीर यतः तमिल नाडु राज्य में जनता के लिए विद्युत ऊर्जा के प्रदाय भ्रथवा इस प्रकार के प्रदाय के प्रयोजन के लिए विद्युत ऊर्जा के उत्पादन, संवयन या प्रेषण (जि. में तमिल नाडु राज्य में नेवेनी लिग्नाइट कारपोरेणन लिमिटेड, नेवेली से सम्बद्ध, जनता को विद्युत् ऊर्जा के प्रदाय या ऐसे प्रदाय के प्रयोजन के लिए बिद्युत ऊर्जा के उत्पादन, संवयन या प्रेषण से संबंधित संकर्म भी शामिल हैं) से सम्बद्ध सेवाभों में कोई हड़ताल समुदाय के जीवन के लिए धावश्यक प्रदाय भीर सेवाएं बनाए रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी, उक्त सेवाभों में हड़तालें रोकना धावश्यक ग्रीर समीचीन हैं :—

श्रतः, श्रव, भारत रक्षा नियम, 1971 के नियम 118 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त सेवाओं में किसी श्रीयोगिक विवाद से सम्बन्धित किसी हड़ताल को 5-6-1975 से छ: मास की श्रवधि के लिए प्रतिविद्ध करती है।

[सं० फा० एस०-42025/7/75-डी० के० श्राई० ए०] टी० एस० शंकरन, संयुक्त सर्चिव।